



AGROEXCEL CROP SCIENCE

रजका बाजरा की समग्र सिफारसें

गर्मी के सभी प्रकार के चारों में बाजरा सबसे अधिक पैदावार देता है। अधिक पत्तियां होने व रसीला होने के कारण यह स्वादिष्ट होता है व इसमें प्रोटीन भी काफी होता है। अन्य चारा फसलों के मुकाबले यह जल्दी बढ़ता है। यह खासतौर पर गर्मियों के लिए एक अच्छा चारा है क्योंकि इसमें एच सी एन नहीं होता।

उन्नत किस्मे: रजका बाजरा, एग्रो एक्सल सुपर स्पीड 845+ , एग्रो एक्सल फास्ट स्पीड 811+

मिट्टी व खेत की तैयारी: इसके लिये रेतीली दोमट मिट्टी सबसे अच्छी रहती है। खेत की तैयारी करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिये, जिससे मिट्टी भुरभुरी हो जाए व बीज का अंकुरण अच्छा हो।

बीज की मात्रा: बाजरे की चारे के लिये बिजाई मार्च के अन्त या अप्रैल के शुरू में करनी चाहिये ताकि मई-जून में चारे की कमी वाले दिनों में चारा मिलता रहे। शुद्ध बाजरे की चारे की बिजाई के लिए प्रति एकड़ 3-4 किलोग्राम बीज से 30 सेंटीमीटर की दूरी रखकर कतारों में बिजाई करें। यदि बाजरे की मिलवां बिजाई करनी हो तो प्रति एकड़ बाजरे का 2-2.5 किलोग्राम और लोबिया का 5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। बिजाई पर्याप्त नमी में पोरा या केरा विधि से इस प्रकार करें कि दो कतारों के बाद एक कतार लोबिया की हो। दो कतारों के बीच का फासला 30 सेंटीमीटर रखें।

उर्वरक: बाजरा नाइट्रोजन वाली खाद डालने से काफी बढ़ता है। प्रति एकड़ 20 किलोग्राम नाइट्रोजन (43.5 किलोग्राम यूरिया 46%) बिजाई के समय ड्रिल करें व 10 किलोग्राम नाइट्रोजन (22 किलोग्राम यूरिया 46%) बिजाई के एक महीने बाद खड़ी फसल में डालें।

चारे की पैदावार: इसका चारा बीजने के 45-50 दिन बाद तैयार हो जाता है और करीब 400 क्वटल प्रति हैक्टर पैदावार होती है। अधिक पौष्टिक चारे के लिए बाजरा व लोबिया की मिश्रित खेती की सिफारिश की जाती है।



AGROEXCEL CROP SCIENCE

COMPREHENSIVE RECOMMENDATIONS FOR FODDER BAJRA

Pearl millet gives the highest fodder yield among summer fodder crops. Due to its higher leafiness and juicy nature, it is very palatable and rich in protein. Compared to other fodder crops, it grows faster. It is especially suitable for summer cultivation because it does not contain HCN.

Varieties: Rajka Bajra, Agro Excel Super Speed 845+, Agro Excel Fast Speed 811

Soil and Field Preparation:

Sandy loam soil is best suited for pearl millet. For proper field preparation, 2–3 ploughings should be done to make the soil fine and friable, ensuring good seed germination.

Seed Rate and Sowing:

For fodder purpose, sowing of pearl millet should be done in the last week of March or the first week of April so that fodder is available during the fodder-scarce months of May–June.

For pure pearl millet fodder, use 3–4 kg seed per acre and sow in rows keeping a distance of 30 cm between rows.

For mixed cropping, use 2–2.5 kg pearl millet seed and 5 kg cowpea seed per acre. Sowing should be done under adequate soil moisture using pora or kera method in such a way that after two rows of pearl millet, one row of cowpea is sown. Maintain a row spacing of 30 cm.

Fertilizer Application:

Pearl millet responds well to nitrogen fertilizer. Apply 20 kg nitrogen per acre (43.5 kg urea 46%) at the time of sowing by drilling. Apply another 10 kg nitrogen per acre (22 kg urea 46%) one month after sowing to the standing crop.

Fodder Yield:

The crop is ready for fodder harvest 45–50 days after sowing and yields about 400 quintals per hectare. For more nutritious fodder, mixed cultivation of pearl millet and cowpea is recommended.